www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET PAPER 3 JANUARY 03, 2017 SHIFT 1 RAJASTHANI QUESTION PAPER

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

नोट : इण प्रश्नपत्र में **पिचहतर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । हरेक प्रश्न सारू **दो (2)** अंक तय है । **सगळां** प्रश्नां रा पड़ूतर देवणा है ।

1. 'थूं तिरणौ जाणतौ तौ नदी पार कर लेवतौ ।' – इण वाक्य में अरथ री दीठ सूं किण भांत री क्रिया गिणीजसी ?

(1) संभावनार्थक क्रिया
(2) संदेहार्थक क्रिया
(3) आज्ञार्थक क्रिया
(4) संकेतार्थक क्रिया

2. 'अणदौ हालतौ – हालतौ खावै ।' – वाक्य संरचना री दीठ सूं औ वाक्य किण भांत री क्रिया रौ उदाहरण है ?

(1) प्रेरणार्थक क्रिया
(2) नाम धातु क्रिया
(3) संयुक्त क्रिया
(4) पूर्णकालिक क्रिया

3. 'आसोज महीणै अेक मेह भळै हुय जावतौ तौ घणौ ई धांन निपजतौ ।' – औ किण भांत रौ वाक्य गिणीजैला ?

(1) संकेतवाची वाक्य
(2) आज्ञावाची वाक्य
(3) संदेहवाची वाक्य
(4) इच्छावाची वाक्य

4. 'गुळ-घी' सबद में समास है –

(1) द्वन्द्व समास
(2) बहुव्रीहि समास
(3) कर्मधारय समास
(4) अव्ययीभाव समास

5. किसै क्रम माथै लिखियोड़ा सगळा सबद घोड़ै रा पर्यायवाची है ?

(1) पंखाळ, पाकेट, दंताळ
(2) पंखाळ, केकांण, हैवर
(3) पतंग, अेण, रेवंत
(4) पमंग, व्याळ, माकड़

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

6. राजस्थानी री 'वागड़ी' बोली बोलीजै –

(1) कोटा – बूंदी में (2) उदयपुर – चित्तौड़ में

(3) जोधपुर – बीकानेर में (4) डूंगरपुर – बांसवाड़ा में

7. 'माधवानल कामकन्दला' रचना राजस्थानी री किसी शैली सूं सम्बन्ध राखै ?

(1) संत शैली (2) चारण शैली

(3) जैन शैली (4) लौकिक शैली

8. 'उमादे भटियाणी रा कवित्त' लिखणियां कवि रौ नाम है –

(1) बारहठ आसा (2) हरिसूर

(3) लालजी मेहड़ू (4) ईसरदास

9. वीरभाण रतनू किण पोथी रै मांय आपणी आंख्यां देखियै जुद्ध रौ वरणाव कियौ है ?

(1) सूरज प्रकाश (2) राजरूपक

(3) बिन्है रासौ (4) बलवद्विलास

10. "तैया सांसु तैया मांसु, तैया देह दमोही

तो उत्तम, मिधम क्यूं जांणीजै विवरस देखौ लोही ।"

– मानव समता रौ संदेस देवणियौ औ संत हौ –

(1) वील्होजी (2) ऊदोजी

(3) केशोजी (4) जांभोजी

11. दस मास उदरि धरी

वळै पाळै वरस दस ।

जो इयां प्रति पाळै जीवड़ी,

पूत हेत पेखतां पिता प्रति,

वळै विसेखे मात बड़ी ।।

– कविवर पृथ्वीराज राठौड़ वेलि रै इण दोहलै में उजागर कीनी है –

(1) पुरुस री प्रीत (2) नारी री महिमा

(3) स्रिस्टी री गतागत (4) पूत रौ हेत

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

12. 'ढोला-मारू रा दूहा' रौ सै सूं पुराणौ रूप 11वीं 12वीं सदी रौ मानियौ है, उण विद्वान रौ नाम है –

(1) गौरीशंकर हीराचंद ओझा
(2) मोहनलाल दलीचंद देसाई
(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) भोलाशंकर व्यास

13. 'श्रीमंडळ' लोक वाद्य किण भांत रौ वाद्य है ?

(1) घन वाद्य
(2) तंत वाद्य
(3) सुसिर वाद्य
(4) अनुरुद्ध वाद्य

14. 'ब्याव-बधावणै', 'तीज-तिंवार' अर सामाजिक उच्छब रै माथै गायक - जातियां 'सुभराज' किया करै । औ 'सुभराज' होवै –

(1) कथावां रौ गान
(2) ओळभा – गान
(3) चेतावणी रौ गान
(4) वंस-विड़द गान

15. 'काळ बरस में इदक-मास' इण मुहावरै रौ अरथ है

(1) काळ-कोटड़ी रौ बधापौ
(2) संकट में अणूतौ बधापौ
(3) लारै रैय जावण रौ संकट
(4) संकट सूं बारै आवणौ

16. 'नदियां सुत, तासु सुता रौ नायक, जिणनुं काठौ झालै ।
जळसुत मीत तासु सुत जिणनुं, घात कदै नह घालै ।।' –
इण काव्य-ओळियां मांय किसौ काव्य-दोष है ?

(1) नाळछेद
(2) पखतूट
(3) अपस
(4) अंध

17. 'विष्णु भगवान' रै 'जंतरबैण' री चोरी रौ वरणाव किसी लोकगाथा में व्हियौ है ?

(1) काळा गोरा रौ भारत
(2) लोक भारत स्यावकरण घोड़ौ
(3) प्रथीराज सुरजा गाथा
(4) चौपड़ रौ पवाड़ौ

18. राजस्थान में 'तुर्रा कलंगी' लोकनाट्य रौ घणौ प्रचलन किण अंचल में है ?

(1) मेवात अंचल
(2) हाड़ौती अंचल
(3) ढूंढाड़ अंचल
(4) मेवाड़ अंचल

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

19. राजस्थानी भाषा साहित्य अर संस्कृति अकादमी बीकानेर रै कार्यालय भवन रौ निर्माण किण अध्यक्ष रै कार्यकाल में व्हियौ ?

(1) कैलासदान उज्वळ
(2) डॉ. सोनाराम बिश्नोई
(3) डॉ. देव कोटारी
(4) पूनमचंद बिश्नोई

20. 'मंछ कवि' रै लोक चावै ग्रंथ रौ नाम है –

(1) रघुवर जस प्रकास
(2) लखपत पिंगळ
(3) रघुनाथ रूपक गीतां रौ
(4) राज रूपक

21. 'सौ सौ जतन करे ई तन का, आखर नीं आपांणौ ।
करणौ व्है सो झटपट कर लै, पछे पड़ै पछताणौ ।।' –
अै काव्य-ओळियां किण कवि री है ?

(1) ऊमरदान लाळस
(2) बावजी चतरसिंह
(3) संत सुन्दरदास
(4) गणेश पुरी

22. 'दवावैत' रा दो रूप मिळै, उणां रा नाम है –

(1) शुद्धबंध अर गद्यबंध
(2) पद्यबंध अर शुद्धबंध
(3) गद्यजाळ अर काव्यजाळ
(4) दवावैत अर वचनिका

23. 'मांहरै देस सहर में थांहरौ चाव हरख छै । सो हेकर सों सताब पधारसो ।'
– इण गद्य ओळी में आयोड़ै 'सताब' सबद रौ अरथ है

(1) जरूर
(2) बैगा
(3) चाव सूं
(4) संग-साथ सूं

24. 'तउ दह लक्खि, विकाइ, मोल जाणवी मुहगेरा ।'
– अचळदास खीची री वचनिका री इण ओळी में आयोड़ै 'मुहगेरा' सबद रौ अरथ है

(1) मुंहमांगियौ
(2) सस्तौ
(3) महंगौ
(4) मूंडै सूं नीकळियोड़ौ

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

25. 'छह गज कळी कांगरा छाजा, पड़ियां ढगळ हुवै पाखाण ।
भाखै कमध सुणौ भूपतियाँ, कीरत महल अमर कमठांण ।।'
– नीचै लिखियां में सूं अै ओळियां किण कवि री है ?

(1) ओपा आढ़ा री
(2) ईसरदास री
(3) अमरसिंह री
(4) ईसर राठौड़ री

26. 'नाडी दै पग तातौ न्याळी, थरलीलौ रंग करवै थाळी ।
चहकै बैठ सिरै चांचाळी, कांठळ बंधै उतर दिस काळी ।।'
– इण ओळियां में आ बात परतख व्है कै –

(1) बिरखा अवस ई होवैला
(2) बिरखा कदैई नीं होवैला
(3) नीर अर चांचाळी मिळैला
(4) थाळी नाडी में तिरैला

27. 'कोई दिन पहना कोई दिन ओढ़ा, कोई दिन चिथरा पथरणा रे ।
करणा फकीरी क्या दिलगीरी, सदा मगन मन रहणा रे ।।'
– अै काव्य-ओळियां किण रचनाकार री है ?

(1) चरणदास री
(2) समानबाई री
(3) मीरां री
(4) दादू री

28. 'आद्रा पड़गी वाव, झूंपड़ झोला खाव ।' – इण लोकोक्ति रौ अरथ है

(1) आद्रा नखत में झूंपड़ी हिलणी ।
(2) आद्रा नखत में बायरौ बाज्यां सूं काळ पड़णौ ।
(3) आद्रा नखत में वायरौ वाजणौ ।
(4) आद्रा रौ वायरौ झूंपड़ी सारूं चोखौ होवै ।

29. राजस्थानी पत्रिकावां 'अपरंच', 'हथाई', अर 'कथेसर' रा सम्पादकां रा नाम क्रमश: किण ओळी में सही लिखियोड़ा है ?

(1) गौतम अरोड़ा, रामस्वरूप किसान, दुलाराम सहारण
(2) गौतम अरोड़ा, कुमार अजय, विनोद स्वामी
(3) गौतम अरोड़ा, विनोद स्वामी, पदम मेहता
(4) गौतम अरोड़ा, भरत ओळा, रामस्वरूप किसान

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

30. 'हिव किरमाळ पहारि धारगढ गाहवि छंडू ।

कस बेकड़ी किवाड़ पट्टि किलवायण खंडू ।

भुजबलि भल्लइ भिड़िअ भरी भय भरूयचि पइसूं ।

धरअ खंभाइच्च असुर सिर चंपवि बइसूं ।

प्रह ऊगमि पट्टणि करि, धगड़ायण धंधळि धरूं ।

ईडरवइ रा रणमल्ल कहि, इक्क छत्त रवि तळि करूं ।।'

– अै काव्य-ओळियां किण छंद रौ उदाहरण है ?

(1) साणौर (2) नीसाणी

(3) छप्पय (4) सवैया

31. 'अब म्है सूता नहीं रहांला,

गांव गांव आ बात कहांला ।' –

अै काव्य-ओळियां किण री है ?

(1) जयनारायण व्यास (2) हीरालाल शास्त्री

(3) भैरवलाल कालाबादळ (4) माणिक्यलाल वर्मा

32. 'तौ रांध्यौ नहीं खावस्यां, रै वासदै निसड्ड ।

म्हैं देखत थें बाळिया, लालर हंदा हड्ड ।।'

– औ दूहौ किण डिंगल कवि रौ है ?

(1) महारावळ हरराज (2) पृथ्वीराज राठौड़

(3) सूर्यमल्ल मीसण (4) दुरसा आढ़ा

33. 'धर रावां जस डूंगरां, व्रद पोतां सत्र हांण ।

समरे मरण सुधारियौ, चहुं थोळां चहुआंण ।।'

– औ दूहौ अेक जुद्ध-भूमि में घायल डिंगल कवि कैयौ हौ । उण कवि रौ नाम है

(1) माला सांदू (2) जग्गा खिड़िया

(3) रामा सांदू (4) दुरसा आढ़ा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

34. 'पीथळ धवळा आविया, सगळी लागी खोड़ ।

तरुणी मत्त गयंद ज्यूं, उभी मुख मरोड़ ।।'

– पृथ्वीराज राठौड़ औ दूहो आपरी किण तरुण-पत्नी नै मुख मोड़ उभी देख'र कैयो हो ?

(1) रूपांदे (2) लखांदे

(3) चम्पादे (4) लालांदे

35. 'हिरणां लांबी सींगड़ी, भाजण तणौ सभाव ।

सूरा छोटी दांतली, दे घण थट्टां घाव ।।' – इण दूहै में आयोड़ै 'थट्टां' सबद रौ अरथ है

(1) दळ (2) बांबी

(3) राह (4) पूंछड़ी

36. 'हर बड़ा कै हिरणा बड़ा, सुगन बड़ा कै श्याम ।

अरजुन रथ नै हांकजौ, भली करजौ भगवान ।।'

– इण दूहै रौ मूळ भाव है –

(1) सुगन नै बड़ौ बतावणौ (2) भगवान भरोसै सुगन रौ विरोध

(3) अरजुन रै रथ हांकण री बात (4) सुगन नै बड़ौ कैवणौ

37. 'हिंयड़इ भीतर पइसि करि, ऊगउ सज्जण रूंख ।

_____, नित नित नवला दूख ।।'

– ढोला मारू रौ औ दूहौ है, इणरी खाली जागा री ओळी है ।

(1) नित पल्वहइ, नित सूकइ (2) नित पल्हवइ, नित ऊगइ

(3) नित सूकइ, नित पल्हवइ (4) नित ऊगइ, नित सूकइ

38. 'हेम की कूंपळी मइण की मूंद ।

सा धण उभी रे मत्त गइंद ।।' –

ऊपर री ओळियां में जिण नायिका रौ वरणाव है, उणरौ नाम है –

(1) मरवणी (2) राजमती

(3) रुकमणी (4) मारूई

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

39. 'गिरि ऊपरि गढ थाहर, विसमी, विसमा पोळि पगार ।

ऊंचा कोटा घणी फारकी, वळी ति विसमा वार ।।'

– अै ओळियां आदिकाल री महताऊ कृति री है, इणरै रचयिता रौ नाम है ।

(1) श्रीधर व्यास (2) कुशललाभ

(3) कलोल (4) पद्मनाभ

40. 'खोड़ियै दूहै' रौ उदाहरण नीचे लिखिया दूहां में सूं किसौ है ?

(1) कर कुटियइ कपाळ, त्रीकम तौ विमुखां तणा ।

घड़ी-घड़ी घड़ियाळ, वाजै वस ।।

(2) सेणां इण संसार में, सदा सुभीतै सुक्ख ।

देखा-देखी दुक्ख, जटी तटी नै जोयलौ ।।

(3) आवत दुख इकसार, क्या ग्यानी, क्या मूढ़ नै ।

इक सह धीरज धार, चीं चीं कर मत चकरिया ।।

(4) सिर मांडव गुजरात सिर, दळ सझ कीधी दौड़ ।

उण सांगा रौ बैसणौ, चंगौ गढ़ चीतौड़ ।।

41. नीचै लिखियोड़ी किसी ओळी में आयोड़ी रचनावां सगळी इं इतियास सूं सम्बन्ध राखै ?

(1) करुणबहत्तरी, राजरूपक, कान्हड़दे प्रबन्ध

(2) नागदमण, वीसरलदेव रासौ, हालांझालां रा कुण्डलिया

(3) अचलदास खीची री वचनिका, सूरज प्रकाश, राव रिणमल रौ रूपक

(4) गुण निरंजन प्राण, गजमोख, राव जैतसी रौ पाघड़ी छंद

42. महादान मेहडू 'झमाल' शीर्षक सूं नगर रौ वरणाव कीनौ है, वौ नगर है

(1) अजमेर री झमाल (2) उदैपुर री झमाल

(3) बीकानेर री झमाल (4) नरवरगढ़ री झमाल

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

43. 'जै जै मां मरूवाणी जै ।

नवरस पूरण वाणी जै ।।' – आ वाणी वंदना किण कवि री है ?

(1) गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' (2) सत्यप्रकाश जोशी

(3) कन्हैयालाल सेठिया (4) चन्द्रसिंह

44. 'काळ रूप होय कुंभ आयौ घण कोप कर.

मुंड भारी भंडसौ छौ जाबड़ी दरासी छी ।

सूंपड़ा सा कानड़ा छा. दांत वडा दांतां जिसा.

आंखां ऊंडा खाडा जी री नासा किंदरा सी छी ।।'

– कवि राव मोहनसिंह इण काव्य-ओळियां में किण राकस रौ वरणाव कीनौ है ?

(1) कुंभकरण (2) मेघनाद

(3) सुरपणखा (4) मारीच

45. 'दे दे पसीनो थँनै महनतां ई मान द्यो.

थारी मरदमी नै खेताँ ई वरदान द्यो ।'

– अै काव्य-ओळियां राजस्थानी भाषा री किण बोली री है ?

(1) ढूंढाड़ी (2) वागड़ी

(3) हाड़ौती (4) मेवाती

46. 'डांखळा' अर 'सानेट' लिखकर राजस्थानी में अेक कवि जस कमायौ. वांरौ नाम है

(1) मंगत बादल (2) मोहन आलोक

(3) ओम पुरोहित 'कागद' (4) विनोद स्वामी

47. 'गढ़ ऊँचौ चित्तौड़. आबू पर छाया पड़ै ।

मोरधज्ज री मौड़. कमती किण सूं किसनिया ।।'

– सम्बोधन काव्य रै इण सोरठै में आयोड़ौ 'मोरधज्ज' सबद किण किलै सूं सम्बन्ध राखै ?

(1) तारागढ़ (2) गागरौन

(3) जैसलमेर (4) जोधपुर

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

48. नीचै लिखियोड़ी पोथियां में सूं किसी पोथी सम्बोधन-काव्य री नीं है ?

(1) भागीरथी रा दूहा
(2) संबोध – सतसई
(3) सपनां री सतरंगी सांसा
(4) मोतिया रा दूहा

49. नीचै दियोड़ै जोड़ै में सूं किसौ जोड़ौ भगवतीलाल व्यास री पोथियां रौ है ?

(1) सबदराग अर अणहदनाद
(2) साख अर देसूंटौ
(3) कावड़ अर मारग
(4) झळ अर काळजै में कलम लागी आग री

50. राजस्थानी 'हास्य-व्यंग्य कविता धारा' रौ किसौ जोड़ौ सही है ?

(1) गोरधनसिंह शेखावत - भागीरथसिंह भाग्य
(2) बुद्धिप्रकाश पारीक अर विश्वनाथ 'विमलेश'
(3) पारस अरोड़ा अर हरीश भादाणी
(4) दीन दयाल ओझा अर पुरषोत्तम छंगाणी

51. 'की चवां की न चवां, कवण सुणंदा कत्थ ।
मनड़ौ चावै रात दिन, सयणां हंदौ सत्थ ।।'
– औ दूहौ राजस्थानी री किण उपबोली रौ है ?

(1) दिखणादू मारवाड़ी
(2) उतरादू मारवाड़ी
(3) उगूणी मारवाड़ी
(4) आथूणी मारवाड़ी

52. 'राणियां तळेटियां ऊतरै, राजा भुगते रेस ।
_____, सरग गया सगतेस ।।'
– इण दूहै री खाळी जागा री सही ओळी है –

(1) गढ़ ऊपर गोरा फिरै
(2) गढ़ मांही गोळा पड़ै
(3) गढ़ ऊपर गोळ्या गिरै
(4) गढ़ ऊपर गग्घू उडै

53. किसौ नाम आधुनिक राजस्थानी रै युवा कवि रौ नीं है ?

(1) मदनगोपाल लढ्ढा
(2) ओम नागर
(3) ओमप्रकाश भाटिया
(4) विनोद स्वामी

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

54. 'सोरा कटै सपूत, दोरौ ज्यांरौ देस ।
धोरां वाळौ, डूंगर वाळौ, म्हारौ देस ।
औ वीरां रौ देस, औ कवियां रौ देस ।
औ लिछमी रौ देस ।।'
– अै गीति ओळियां 'म्हारौ देस' कविता री है, इण ओळियां रै कवि रौ नाम है –

(1) कन्हैयालाल सेठिया (2) सत्यप्रकाश जोशी
(3) गजानन वर्मा (4) नारायणसिंह भाटी

55. उदयराज उज्ज्वल जिकौ सम्बोधन-काव्य लिखियौ है, उणरौ नाम है –

(1) किसनिया रा दूहा (2) फूसिया रा सोरठा
(3) मोतिया रा सोरठा (4) भानिया रा दूहा

56. 'नैणसी री ख्यात' में स्त्री सारू किण सबद रौ प्रयोग व्हियौ है ?

(1) बैयर (2) ललना
(3) सायधण (4) लुगाई

57. जुगल परिहार राजस्थानी रा लेखक है । वै राजस्थानी री किण पत्रिका सूं जुड़ियोड़ा है ?

(1) कथेसर (2) अनुसिरजण
(3) माणक (4) राजस्थली

58. 'दीनां री देवळ चढ़ै, क्यूं कोई रीस करेह ।
नागरचाळा ठाकरां, (थांमें) सांगोई गौड़ सिरेह ।।'
– इण दूहै में आयोड़ै सबद 'नागरचाळा' रौ सम्बन्ध किण आंचलिकता विशेष सूं हौ ?

(1) सिंध (2) गुजरात
(3) मालवा (4) जंगळधरा

59. नीचै लिखी कृतियां में सूं किसी कृति कन्हैयालाल सेठिया री है ?

(1) जूझती जूण (2) मरूमंगळ
(3) अणबाच्या आँखर (4) मायड़ रौ हेलो

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

60. 'म्हारी सुरंगी सेवण घास ।

थूं है मरू जमारै आस ।।

म्हारी जुगां जुगां री जाळ ।

म्हारा अपरबळी महाकाळ ।।' – इण काव्य-ओळियां में 'अपरबळी' सबद रौ अरथ है

(1) बेहद बळवान
(2) जबरदस्ती रौ बळवान
(3) बळ रौ छळ
(4) छळगारौ बळवान

61. रचना अर रचनाकार रौ किसौ जोड़ौ राजस्थानी कविता में राष्ट्रीयता री भावना जाग्रत करणवाळौ नीं है ?

(1) सैनाणी – मेघराज मुकुल
(2) पातल अर पीथळ – कन्हैयालाल सेठिया
(3) झळ – पारस अरोड़ा
(4) धूड़कोट – गिरधारी सिंह पड़िहार

62. डॉ. कन्हैयालाल सहल राजस्थान री किण सुप्रसिद्ध लोकगाथा रौ संकलन सम्पादन करियौ हौ ?

(1) बगड़ावत
(2) निहालदे – सुलतान
(3) नरबद – सुपियारदे
(4) कोडमदे – सार्दूल

63. राजस्थानी में 'गाडर' सबद रौ सही अर्थ है

(1) बकरी
(2) छाळी
(3) लवारकी
(4) भेड़

64. 'थूं है देसी रूंखड़ौ, अै परदेसी लोग ।

_____, थूं कंह आयौ फोग ।।'

– बीकानेर रा राजा रायसिंह रै इण दूहै री खाली जागा री ओळी है –

(1) म्हांनै अकबर तेड़िया
(2) म्हांनै अवरंग तेड़िया
(3) अकबर ले आयौ अटै
(4) म्है उळझ्या अवरंग सूं

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

65. नीचे लिखिया गीतां में सूं किसौ गीत 'झुरावौ' बाजै ?

(1) झल्ले आऊवौ
(2) रिड़मल खाबड़ियौ
(3) रतनराणौ
(4) लाखौ फूलाणी

66. बावजी चतरसिंह री नीचै लिखियोड़ी पोथियां में सूं किसी पोथी गद्य विधा री है ?

(1) चतुर – चिंतामणि
(2) मानवमित्र रामचरित
(3) अलख पचीसी
(4) हनुमान पंचक

67. मध्यकाल रै चारण कवि 'रंगरेलो बीठू' रौ पूरौ नाम हौ

(1) वीरकरण
(2) वीरदान
(3) वीरमदास
(4) वीरदास

68. 'लूर' नामवाळा गीत किण तिंवार माथै गाईजै ?

(1) दीवाळी माथै
(2) आखातीज माथै
(3) होळी माथै
(4) दसरावै माथै

69. नीचै लिखियोड़ै लेखकां रै नामां में सूं किसौ नाम एकांकीकार रौ नीं है ?

(1) आईदानसिंह भाटी
(2) गणपतिचन्द्र भंडारी
(3) सूर्यकरण पारीक
(4) बैजनाथ पंवार

70. 'रोहीड़ै रा फूल' निबंध-संग्रै रा लेखक है

(1) सोहनदान चारण
(2) जहूर खां मेहर
(3) डॉ. मनोहर शर्मा
(4) शक्तिदान कविया

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

71. ढोला-मारू रै नायक 'ढोला' रौ मूल नाम कांई है ?

(1) ढोलकुंवर (2) साल्हकुंवर

(3) साल्हावत (4) कुंवर सी

72. मिगसर वाव न वज्जियौ, रोयण तपी न जेठ ।

_____, रहसां वड़ला हेठ ।। इण सुगन विचारवाळै दूहै री खालौ जागा री सही ओळी है –

(1) कंथा म जावां गांवड़ै (2) कंथा म जावां सासरै

(3) कंथा म बांधौ पागड़ी (4) कंथा म बांधे झूंपड़ौ

73. नीचै लिखिया लोक गीतां रै नामां में सूं किसौ गीत 'सुन्दरता अर रूपास' रौ है ?

(1) मूमल (2) काचबौ

(3) मखणौ (4) रतनराणौ

74. 'कूदण बाबो' संस्मरण किण पोथी में आयोड़ौ है अर इण पोथी रै लेखक रौ नाम आळौ जोड़ौ किसौ सही है ?

(1) उणियारा ओळूं तणा – अस्तअली मलकांण

(2) उणियारा – शिवराज छंगाणी

(3) ओळूं री अखियातां – नेमनारायण जोशी

(4) देस-दिसावर – अन्नाराम सुदामा

75. 'घोड़ा हुवैज काठ रा, पिंड कीजै पाखाण ।

लोह तणा हुय लूगड़ा, जद दीसै जैसांण ।।'

– औ दूहौ किण कवि रौ है ?

(1) कुशळलाभ (2) वीरदास बीटू

(3) बीटू सूजा (4) बारहट आसा

---

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Space For Rough Work

Prepp Your Personal Exam Guide